संपादकीय

भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन संबंधी उद्देश्यों की अनुपालना में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुड़की द्वारा प्रत्येक वर्ष हिंदी दिवस के सुअवसर पर वार्षिक गृह पत्रिका ''प्रवाहिनी'' का प्रकाशन किया जाता है। संस्थान द्वारा प्रकाशित इस पत्रिका का 32वां नूतन अंक अपने प्रबुद्ध पाठकों को सौंपते हुए हमें अपार प्रसन्नता हो रही है।

हम सभी जानते हैं कि हिन्दी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार करने के संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति तथा सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने में हिंदी पत्रिकाएं महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती हैं। इससे हिंदी के प्रचार–प्रसार के लिए अनुकूल वातावरण तो निर्मित होता ही है साथ ही कर्मचारियों के मन में हिंदी में काम करने के प्रति नवीन चेतना उत्पन्न होती है। इसी दिशा में संस्थान द्वारा हिन्दी पत्रिका का प्रकाशित किया जाना शासकीय कार्यों में राजभाषा हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए हिन्दी में सृजनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित एवं प्रेरित करने के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर हम विगत 32 वर्षों से अपनी इस हिंदी गृह पत्रिका प्रवाहिनी का सफलतापूर्वक प्रकाशन कर रहे हैं।

हमें आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है कि विगत अंकों की भांति यह अंक भी सुधी पाठकों को उपयोगी, रोचक, महत्वपूर्ण एवं ज्ञानवर्धक लगेगा तथा यह राजभाषा कार्यान्वयन तथा प्रचार–प्रसार में सहायक एवं उपयोगी सिद्ध होगा।

प्रस्तुत पत्रिका में संस्थान के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अतिरिक्त समाज के प्रबुद्ध लेखकवर्ग से भी पत्रिका में प्रकाशन हेतु हिन्दी साहित्य, मनोरंजन एवं तकनीकी विषयों पर रचनाएं प्राप्त हुई हैं जिन्हें पत्रिका में उपयुक्त स्थान प्रदान किया गया है। हम सभी विद्वत लेखकों का उनकी रचनाओं के लिए सहृदय आभार व्यक्त करते हैं एवं शुभकामनाएं समर्पित करते हैं जिनके समर्थन एवं सहयोग से इस पत्रिका का प्रकाशन संभव हो सका है। हम इस पत्रिका में रचनाओं को सरल एवं सुबोध भाषा में प्रस्तुत करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं जिससे समाज के प्रत्येक वर्ग के पाठक इससे लाभान्वित हो सकें।

आपके सुझावों एवं बहुमूल्य प्रतिक्रियाओं का हम हृदय से स्वागत करते हैं। हमें विश्वास है कि आपकी बहुमूल्य प्रतिक्रियाएं और सुझाव इस पत्रिका को और भी श्रेष्ठ बनाने की दिशा में सहायक सिद्ध होंगे।

(संपादक मंडल)